(b) if so, whether these would be constructed immediately to each the suffering of the passengers; and

(c) if so, when and the details thereof?

ms DEPUTY MINISTER IN" THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MAHABIR PRASAD): (a) Platform Nos. 1 & 2 and 3 & 4 at Mecheda Railway Station have separate latrine for ladies at present. There is no separate latrine for ladies at platform Nos. 5 & 6.

(b) and (c) One separate latrine for ladies at platform Nos. 5 & 6 is proposed to be constructed during 1988-89.

दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में प्रसूति सुविधा

1548. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के विभिन्न अस्पतालों में प्रसूति के प्रयोजन के लिए उपलब्ध बिस्तरों, कमर, उपचार गृहों (नर्सिंग होम्स) की अलग-अलग सख्या क्या है और उनके प्रभारों सहित उनमें प्रवेश के लिए नियम क्या हैं ; और

(ख) पुरुष और महिला डाक्टरों की अलग-अलग संख्या क्या है और क्या प्रवेश देने का अधिकारी मुख्य चिकित्सा सर्जन या अधीक्षक को होता है ;

(ग) उपचारगृहों में ऐसे कमरों की संख्या कितनी है जिनमें चार, तीन, दो और एक गर्भवती माता को रखा जाता है और विभिन्न अस्पतालों में उनके प्रभार क्या-क्या हैं ; और

(घ) बेहतर प्रबंध और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या वहां यह उपबंध भी रखा गया है कि यदि कोई व्यक्ति शिकायत करता है तो उसे भविष्य में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (ग) केन्द्रीय सरकार के अस्पतालों के प्रसूति और स्त्री रोग विभागों से संबंधित अपेक्षित सूचना उपाबंध में दी गई है [देखिए परिशिष्ट CLXV अनुपत्र सं० 52]

(घ) बेहतर प्रबंध और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव कदम उठाए जाते हैं । किसी शिकायत करने वाले व्यक्ति को प्रवेश देने से इंकार करने के बारे में नियमों में कोई उपबंध नहीं है।

हिन्दी भाषा का प्रसार

1549. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "क" और "ख" क्षेत्रों में राजभाषा अधिनियम की पूर्णत: अवहेलना करते हुए, रोमन लिपि के कम्प्यूटरों, टैलेक्स मशीनों और टैली-प्रिंटरों जैसे दर्जनों आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप हिन्दी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहां भी टेलेक्स मशीनें लगायी गई हैं वहां से एक भी तार हिन्दी में नहीं भेजा गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी के टंकन यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकन यंत्रों, टंककों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है जबकि उनकी संख्या 50:50 होनी चाहिए थी, और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिन्दी भाषा के प्रसार के लिए क्या नए कदम उठाए गए हैं ?